ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekd ,Q@,xk@,xkeV-@25 — fnukd **27.02.2026**
ftyk& chdkusj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 27 फरवरी 2026 से 03 मार्च 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षा: इस दौरान अधिकतम तापमान 14.9 से 19.9 °C एवं न्यूनतम तापमान 3.8 से 6.5 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 65 से 95% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणी: भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (27.02.2026 से 03.03.2026) 27.02.2026 से 03.03.2026 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 17.0-20.0°C और अधिकतम तापमान 32.0-35.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी उत्तरी पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी पश्चिमी, उत्तरी उत्तरी पश्चिमी और उत्तरी दिशा से कम से मध्यम गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	27.02.2026	28.02.2026	01.03.2026	02.03.2026	03.03.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान (° C)	**34**	**32**	**33**	**34**	**35**
न्यूनतम तापमान (° C)	**18**	**17**	**18**	**18**	**20**
वायु दिशा	पश्चिमी	उत्तरी	उत्तरी उत्तरी पूर्वी	उत्तरी उत्तरी पश्चिमी	उत्तरी पश्चिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**35**	**37**	**33**	**33**	**32**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**24**	**23**	**22**	**21**	**22**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**
वर्षा (एम.एम.)	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।

विशेष सलाह	तापमान में बढ़ोतरी होने से समय पर बोई गई फसलों में कीट और रोग के संक्रमण की संभावना बनी रहती है । इसलिए कीट और रोग के संक्रमण का समय से प्रभावी निदान करने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें। फसलों जैसे सरसों, मेथी, जीरा, इसबगोल में माहू/एफिड का प्रकोप होने पर फसल पर डाइमिथोएट 30 ईसी की 1200 मिली/हेक्टेयर पानी के साथ छिड़काव करें। अधिक तापमान के कारण रबी फसलों की जल मांग बढ़ सकती है। अतः म्लानि के लक्षण दिखाई देते ही या फसलों की क्रांतिक अवस्था के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था करे। ककड़ी, काचरी, ग्वार, लोबिया, मूंग की जायद की खेती के लिए भूमि तैयार कर खाद व बीज की व्यवस्था करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
गेहूँ	बाली एवं दाना बनने	सिंचाई	समय पर बोई गई गेंहू की फसल में पांचवी सिंचाई दूधिया अवस्था (बुवाई के 90-95 दिन बाद) पर करें। देरी से बोई गई गेंहू की फसल में चौथी सिंचाई तीसरी सिंचाई के 14 से 21 दिन बाद करें।
		दीमक नियंत्रण	गेहूँ को दीमक से बचाने के लिए समस्या वाले क्षेत्रों में सिंचाई पानी के साथ क्लोरोपायरिफोस 20 ई.सी. नामक दवा 2400 मी.ली. प्रति है. की दर से उपयोग करें।
चना	फली एवं दाना बनने	कीट नियंत्रण	फसल की अवस्था और बादलो की स्थिति के अनुसार चने में फली छेदक कीट के प्रकोप मे सहायक है। अतः खेत पर लगातार निगरानी रखे जिससे कीट-व्याघी के प्रकोप का पता चल सके। चने में फली छेदक कीट के नियंत्रण के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल. की 250 मिली मात्रा का 250 प्रति बीघा छिड़काव करें।
सरसों	दाना बनने एवं पकाव	कीट व रोग नियंत्रण	माहू/एफिड का प्रकोप होने पर सरसों की फसल पर मेलाथियान 50 ईसी की 1200 मिली/हेक्टेयर या डाइमिथोएट 30 ईसी की 1200 मिली/हेक्टेयर पानी के साथ छिड़काव करें। सरसों में सफ़ेद रोली रोग से बचाव के लिए 600 ग्राम घुलनशील गंधक(80 प्रतिशत) अथवा 1 मिलीलीटर डाइनोकेप (केराथेन) 30 ई सी. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें ।
		कटाई	सरसों में फलियों को झड़ने से बचाने के लिए फसल की कटाई शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करें।
मैथी	दाना बनने	सिंचाई	मैथी की फसल में तीसरी सिंचाई बुवाई के 110 दिन बाद करें।
जीरा	दाना बनने	रोग प्रबंधन	जीरे में अंगमारी बीमारी का रोग होने पर मेन्कोजेब 2 ग्राम/ लीटर या 500 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें, छिड़काव 2-3 बार दोहराए। जीरे में उकटा रोग का प्रकोप होने पर कार्बेन्डाजिम 300 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव को पुनः दोहराए।
उद्यानिकी		सिंचाई	उद्यानिकी फसलों में समय पर सिंचाई करें।
पशुधन		स्वास्थ्य प्रबंधन	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के उपाय करे। पशुओ को खुरपका-मुहपका रोग से बचाव का टीका लगवाएँ एवं पेट मे कीड़ो की दवाई नियमित देवें ।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा